

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, जायल (नागौर)
पीठासीन अधिकारी-रवीन्द्र कुमार आर.ए.एस

प्रार्थना पत्र- 36/2021

प्रार्थी-

1. श्रीराम पुत्र रामकरण जाति जाट, निवासी- जायल
तहसील-जायल, जिला-नागौर।

बनाम

अप्रार्थी-

1. सरकार जरिये तहसीलदार जायल।

उपस्थित-

1. अभिभाषक श्री अम्बालाल पारासर।
2. राजपैरोकार (तहसीलदार)

प्रार्थना पत्र अधीन धारा 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम-1956

निर्णय

दिनांक :- 25/05/2022

प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र का सक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी का वास्तविक नाम श्रीराम पुत्र रामकरण ही है। मगर राजस्व रिकॉर्ड में मौजा जायल तहसील जायल के सम्वत् 2073-2076 खतौनी सं. 2287 के खसरा नम्बर 538 में सालगराम पुत्र रामकरण सहखातेदार दर्ज है, जबकि प्रार्थी के राशन कार्ड संख्या 008273202335, आधार कार्ड संख्या 7090 0593 6949, जन आधार संख्या 4846220175, बैंक डायरी राजस्थान मरुधरा बैंक खाता संख्या 83033687112, प्रार्थना पत्र में सलंगन शपथ पत्र में प्रार्थी का सही नाम श्रीराम पुत्र रामकरण दर्ज हैं। इस गलत इन्द्राज के कारण प्रार्थी को सरकारी मुआवजा व अन्य प्रकार की ऋण सुविधाओं में परेशानी आने से प्रार्थी को यह प्रार्थना पत्र पेश करना लाजमी आया।

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये सम्मन वास्ते जवाबदेही तलब किया गया। जवाबदेही हेतु नियत तारीख पेशी को अप्रार्थी सं. 1 राजपैरोकार ने जवाब जरिये पत्रांक दिनांक 24.04.2022 व 30.11.2022 को मय हल्का आईएलआर व फटवारी जायल की मौका रिपोर्ट के आधार पर प्रस्तुत करते हुये अवगत कराया कि प्रार्थी का नाम ऑनलाईन जमावदी सम्वत् 2073-2076 स्थायी में सालगराम पुत्र रामकरण सहखातेदार दर्ज है। जबकि प्रार्थी के ग्राम जायल के खाता संख्या 2287 खसरा नंबर 538 में सहखातेदार के रूप में दर्ज है। प्रार्थी के अन्य दस्तावेज राशन कार्ड संख्या 008273202335, आधार कार्ड संख्या 7090 0593 6949, जन आधार संख्या 4846220175, बैंक डायरी राजस्थान मरुधरा बैंक खाता संख्या 83033687112, प्रार्थना

JM
25/05/2022
सहायक कलक्टर
(एस.डी.ओ.) जायल


पत्र में सलंगन शपथ पत्र में नाम श्रीराम पुत्र रामकरण दर्ज है। प्रार्थी को गांव में बोलचाल में सालगराम नाम से पुकारने के कारण विरासत के नामान्तकरण को दर्ज करते समय प्रार्थी का नाम सालगराम दर्ज किया गया था। उपस्थित मौतबिरानों ने सालगराम तथा श्रीराम दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति के होना बताया।

वकील प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र की ताईद में हल्का पटवारी जायल तहसील जायल की रिपोर्ट, राशन कार्ड संख्या 008273202335 , आधार कार्ड संख्या 7090 0593 6949, जन आधार संख्या 4846220175 , बैंक डायरी राजस्थान मरुधरा बैंक खाता संख्या 83033687112, प्रार्थना पत्र में सलंगन शपथ पत्र तथा ग्राम जायल नकल खतौनी सम्वत् 2073-2076 खाता संख्या 2287 प्रस्तुत की। साक्ष्य प्रार्थी बन्द की गई तथा पत्रावली वास्ते बहस नियत की गई।

बहस वकील प्रार्थी की सूनी गयी। दौराने बहस वकील प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दोहरान किया तथा राजस्व रिकॉर्ड में जायल के खतौनी सं. 2287 में अंकित खसरान् में प्रार्थी का नाम श्रीराम पुत्र रामकरण के स्थान पर सालगराम पुत्र रामकरण शुद्ध किया जाकर राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद किये जाने बाबत तहसीलदार जायल को आदेश दिये जाने का निवेदन किया गया।

वकील प्रार्थी की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत किये गये दस्तावेज जायल तहसील के खतौनी सं. 2287 में वर्णित खसरान की भूमि जो कि प्रार्थी को पुश्तैनी बडेर की भूमि जो कि विरासत नामान्तकरण से प्राप्त हुई है तथा सहखातेदार के रूप में दर्ज है। इसी प्रकार राशन कार्ड संख्या 008273202335 , आधार कार्ड संख्या 7090 0593 6949, जन आधार संख्या 4846220175 , बैंक डायरी राजस्थान मरुधरा बैंक खाता संख्या 83033687112, प्रार्थना पत्र में सलंगन शपथ पत्र की फोटो प्रति में प्रार्थी श्रीराम एवं सालगराम एक ही व्यक्ति के नाम होने की सम्पुष्टि होती है तथा अन्त में अप्रार्थी पक्षकार तसहीलदार जायल की जांच रिपोर्ट के अवलकोन से प्रथम दृष्टया यह साबित है कि प्रार्थी का सही नाम जो कि नामान्तकरण के समय श्रीराम के स्थान पर सालगराम दर्ज हुआ है।

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र एल.आर.एक्ट की धारा 136 में कवर नहीं होता है, परन्तु प्रार्थना पत्र में चाही गई इस्तदुआ का निदान (Remedy) भी राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की सुसंगत धाराओं तथा राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की सुसंगत धाराओं में नहीं है। प्रार्थी का वास्तविक नाम खातेदार के रूप में दर्ज नहीं होकर बोलता नाम दर्ज हो चुका है जिसका समाधान नहीं होने के कारण प्रार्थी को भारी क्षति हो रही है एवं सरकारी योजनाओं का लाभ महज इसलिए नहीं मिल रहा है


सहायक कलक्टर
(आ.डी.ओ.) जायल

कि प्रार्थी का नाम अन्य सरकारी दस्तावेजात का नाम राजस्व रिकॉर्ड (जमाबंदी) में दर्ज नाम से समानता नहीं रखता है, जबकि श्रीराम एवं सालगराम दोनो एक ही व्यक्ति है।

अतः राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 209 में प्रदत्त शक्तियों के तहत स्वतः प्रसंज्ञान से प्रकरण हाजा को धारा 88, 136 का मानते हुये राजस्व रिकॉर्ड (जमाबंदी) ग्राम जायल के खाता संख्या 2287 में दर्ज खातेदार नाम सालगराम पुत्र रामकरण के स्थान पर वास्तविक नाम श्रीराम पुत्र रामकरण दुरुस्त/दर्ज किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

— :: आदेश :: —

यत् प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 भू राजस्व अधिनियम 1956 स्वीकार किया जाता है। तहसीलदार जायल को आदेश दिये जाते है कि वे ग्राम जायल तहसील जायल की नकल जमाबंदी खाता संख्या 2287 में दर्ज सहखातेदार नाम सालगराम पुत्र रामकरण के स्थान पर श्रीराम पुत्र रामकरण दुरुस्त किया जाकर रिकॉर्ड में अमल दरामद किया जावे।

यह आदेश आज दिनांक 25/05/2022 को मेरे द्वारा सरे इजलास सुनाया गया।


(रवीन्द्र कुमार)

उपखण्ड अधिकारी एवं
सहायक कलक्टर, जायल